लौकिक साई बाबा - प्रतिलेख ०५.०८.२०१४

मॉस घाटी में

सादर प्रेम और आदर भाव के साथ हम लौकिक साईं बाबा का आह्वान करते हैं |

“ मैं यहाँ हूँ - मुझे आप सब के बीच रहने में बहुत प्रसन्नता हो रही है क्योंकि आप शांतिप्रिय और सामंजस्य से परिपूर्ण महिलाएं हैं| और मैं आपकी कही हुई बातों को सरहाता हूँ कि आप सभी यह सब पृथ्वी के चारों ओर होते हुए देखना चाहती हैं |

हम तारों की दुनिया के लोग भी इसको प्रत्यक्ष होते हुए देखना चाहते हैं| और हम यहाँ हैं ... ... यह बात मत भूलिए ... ... हम सारे बदलाव लाने में मदद कर सकते हैं ... ... तो कृपया मांगिये|

आप को सिर्फ माँगना है |

और हम आ जायेंगे|

आपको हर उत्तर मिलेगा|

बेशक आपको आपके उम्मीद या इच्छानुसार उत्तर न मिले - परन्तु आपको अवश्य ही सबकी भलाई को ध्यान में रखते हुए उत्तर मिलेगा| (यदि आपको समझ में आ रहा हो)

इस समय (या फिर सिर्फ दिखती है) पृथ्वी अव्यवस्थित है - परन्तु पूरी पृथ्वी पर ऐसा नहीं है| यद्यपि, बहुत सारी चीज़ें हैं, लोग बहुत सारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और मैं चाहूंगा कि आप अपनी प्रार्थना एवं सहयोग को जारी रखें - ताकि आप अपनी स्वेच्छा से मानव जाती को दे सकें| मैं कहना चाहता हूँ कि हम इसके लिए आपकी सरहाना करते हैं - और हमें ख़ुशी है कि हम आपकी मदद करने में सक्षम हैं जब भी आप हमारा आह्वान करते हैं|

मैं आपको आश्वासन देना चाहूंगा कि सभी चीज़ें आगे की ओर अग्रसर हैं और अच्छे दिन आने वाले हैं - हालाँकि थोड़ा सा और समय लगेगा परन्तु वे बहुत निकट हैं|

तो यह समझ लीजिये कि सृष्टिकर्ता से आते हुए सर्वलौकिक प्रेम और नयी ऊर्जा जो पृथ्वी पर पहुँच रही है, पूरी पृथ्वी पर फ़ैल रही है और सभों को छु रही है, उन सभी के पास और कोई विकल्प शेष नहीं है सिवाए इसके कि वो अपने आप को इस ऊर्जा के बराबर कर लें|

यह याद रखें.... यदि आप थोड़ा सा निराश हो जाते हैं - बस यह याद रखें| अभी के लिए बस मैं इतना ही कहना चाहूंगा

मैं उन सभी को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे पत्र लिखे हैं; और मैं उन्हें प्रेम भेजता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि वे आज मेरा सन्देश पढ़ेंगे क्योंकि यह सन्देश आशावादी है ... ...

कृपया विश्वास करें ...

मैं आप सब को अपना आशीर्वाद देता हूँ और अपने हृदय व् करुणा से काम करने के लिए आप सभी का धन्यवाद! धन्यवाद, धन्यवाद|

क्योंकि इस समय इसकी बहुत आवश्यकता है

मैं, परमेश्वर आपको आशीर्वाद देता हूँ| ”